सेंसेक्स 1347 और निफ्टी 444 अंक उछला

नये शिखर पर शेयर बाजार

मुंबई 26 जुलाई (वार्ता) विश्व बाजार के सकारात्मक रुझान के बीच स्थानीय स्तर पर नीचे भाव पर हुई चौतरफा वैल्यू खरीददारी की बदौलत पिछले लगातार पांच कारोबारी दिवस की गिरावट से उबरकर आज शेयर बाजार नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया.

दूरसंचार सेवा प्रदाता कंपनी भारती एयरटेल के अपनी वाईफाई सेवा का विस्तार गुजरात और तेलंगना में करने तथा नोकिया के भारत में एयरटेल के साथ साझेदारी में अपने पहले 5जी नॉन-स्टैंडअलोन (एनएसए) क्लाउड आरएएन परीक्षण के सफल समापन की घोषणा करने के बाद एयरटेल के शेयर साढ़े चार प्रतिशत तक चढ़ गए. इससे बाज़ार को ऊंची उड़ान भरने में मदद मिली.

बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 1292.92 अंक अर्थात 1.62 प्रतिशत की छलांग लगाकर 81,332.72 अंक के सार्वकालिक उच्चतम स्तर पर पहुंच गया. इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज 428.75 अंक यानी 1.76 प्रतिशत मजबूत होकर 24,834.85 अंक के नये शिखर पर पहुंच गया. इस दौरान बीएसई की दिग्गज कंपनियों की तरह मझौली और छोटी कंपनियों के शेयरों में भी जमकर खरीददारी हुई, जिससे मिडकैप 2.12 प्रतिशत उछलकर 47,706.67 अंक और स्मॉलकैप 1.00 प्रतिशत चढ़कर 54,294.35 अंक हो गया.

इस दौरान बीएसई में कुल 4040 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 2652 में लिवाली जबकि 1286 में बिकवाली हुई वहीं 102 में कोई बदलाव नहीं हुआ. इसी तरह निफ्टी की 47 कंपनियों में तेजी जबकि शेष तीन में गिरावट रही.

> विश्लेषकों के अनुसार, घेरलू तेजड़िया बाजार की खासियत है कि यह चिंता की सभी दीवारों को लांघने में सक्षम है. बाजार ने चुनाव, बजट और मदर मार्केट अमेरिका में सुधार से जुड़ी सभी चिंताओं को खारिज कर दिया. इस रैली में जिस गिरावट पर खरीददारी की रणनीति कारगर साबित हुई है, वह अब भी कायम है. वहीं, वैल्यूएशन में अंतर-लार्जकैप का उचित मूल्यांकन और मिड और स्मॉलकैप का अत्यधिक मूल्यांकन-जारी है. लंबी अवधि के निवेशकों को गिरावट पर गुणवत्तापूर्ण लार्जकैप खरीदकर इस अंतर का फायदा उठाना चाहिए.

रुपया नौ पैसे मजबूत होकर 83.69 प्रति डॉलर पर

मुंबई, 26 जुलाई. घरेलू शेयर बाजारों में सकारात्मक रुख के बीच रुपया शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में अपने सर्वकालिक निम्नतम स्तर से उबरकर नौ पैसे मजबूत होकर 83.69 प्रति डॉलर पर पहुंच गया.

विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि पूंजीगत लाभ पर कर की दर बढ़ाने के सरकार के प्रस्ताव के बाद भारतीय शेयर बाजारों से विदेशी पूंजी की निकासी से स्थानीय मुद्रा पर दबाव पड़ा और तेजी पर रोक लग गई.अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनियम बाजार में 83.72 प्रति डॉलर पर खुला और शुरुआती सौदों के बाद 83.69 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से नौ पैसे की बढ़त दर्शाता है.रुपया बृहस्पतिवार को अपने सर्वकालिक निचले स्तर 83.78 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था.

देश ऊर्जा आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है : पुरी

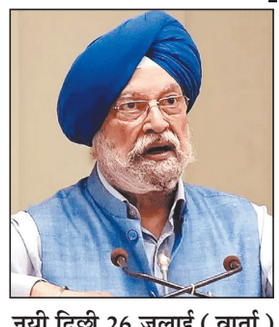

नयी दिल्ली 26 जुलाई (वार्ता) पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में ऊर्जा आत्मनिर्भरता प्राप्त करने की दिशा में भारत की अभूतपूर्व यात्रा को गति देने के लिए सभी कदम उठाए जा रहे हैं.

सिंह ने एक्स पर अपने एक पोस्ट में कहा कि बरौनी रिफाइनी की क्षमता को 6 से बढ़ाकर 9 एमएमटीपीए और पानीपत रिफाइनरी की क्षमता को 15 से बढ़ाकर 25 एमएमटीपीए तथा गुजरात रिफाइनरी की क्षमता को 13.7 से 18 एमएमटीपीए के विस्तार के साथ ही सैकड़ों टन वजन वाले बड़े आयामों वाले जटिल उपकरणों की स्थापना हमारी ऊर्जा क्षेत्र की संस्थाओं के लिए एक नियमित विशेषता बन गई है.

उन्होंने कहा कि इन महत्वपूर्ण विस्तारों के साथ इंडियन ऑयल निकट भविष्य में अपनी कच्चे तेल की प्रसंस्करण क्षमता को काफी हद तक बढ़ाने और भारत की ऊर्जा आवश्यकताओं को सुरक्षित करने के लिए तैयार है.

टाटा पावर सोलर ने बैंक ऑफ इंडिया से की साझेदारी

नयी दिल्ली, 26 जुलाई. टाटा पावर सोलर सिस्टम्स लिमिटेड ने छतों पर सौर पैनल लगाने और इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग स्टेशनों की स्थापना के लिए आसान वित्तपोषण की सुविधा के वास्ते बैंक ऑफ इंडिया के साथ साझेदारी की है.टीपीएसएसएल की ओर से शुक्रवार को जारी बयान के अनुसार, यह साझेदारी एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, क्योंकि टाटा पावर सोलर सौर और ईवी चार्जिंग स्टेशन वित्तपोषण दोनों के लिए बीओआई के साथ सहयोग करने वाली पहली सौर कंपनी बन गई है.कंपनी ने इसके साथ ही हरित ऊर्जा समाधान प्रदाता के रूप में अपने नेतृत्व को मजबूत किया है.यह सहयोग छतों पर सौर पैनल स्थापित करने को बढ़ावा देने के लिए सरकार की पहल का समर्थन करता है.

रेनॉल्ट ने लॉन्च की नई डस्टर

हाइब्रिड इंजन के साथ मिले कई बेहतरीन फीचर्स

नई दिल्ली,26 जुलाई. नई-रेनॉल्ट डस्टर को कंपनी ने तुर्की में लॉन्च कर दिया है. डस्टर का तुर्की अवतार 1,249,000 तुर्की लिरास की शुरुआती कीमत पर लॉन्च किया गया है जो लगभग 32 लाख भारतीय रुपए है.

ये कीमतें 1,580,000 लिरास (40 लाख रुपये) से ऊपर हैं. डाकिया डस्टर की तुलना में, रेनॉल्ट का पुनरावृत्ति सामने की ग्रिल पर एक बोल्ड रेनॉल्ट मोनिकर पहनती है. भारत में क्रिड पर देखे गए ट्रेपोज़ॉइडल लोगो के विपरीत, यह एक स्पेस-आउट रेनॉल्ट लेटरिंग स्कीम है. नया डस्टर 2.66 मीटर के व्हीलबेस के साथ 4.3 मीटर लंबा होगा. इसके अलावा, इसमें 217 मिमी की जमीनी निकासी होगी.

2024 रेनॉल्ट डस्टर : वेरिएंट और फीचर्स

इंटीरियर पहले-जीन डस्टर की तुलना में अधिक आधुनिक है जो हमारे बाजार में बिक्री पर था . तुर्की बाजार के संबंध में, यह दो वेरिएंट - इवोल्यूशन और टेक्नो में रिटेल करता है . पूर्व 17 इंच के रिम्स, 10 .1 इंच टचस्क्रीन इन्फोटेनमेंट यूनिट और 7-इंच इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर से लैस है . जबकि यह स्वचालित ब्रेकिंग के साथ आता है, यह पीछे की तरफ ड्रम ब्रेक का उपयोग करता है . सुरक्षा किट में छह एयरबैग, एबीएस के साथ ईबीडी, ईएसपी और रियर पार्किंग कैमरा शामिल हैं .

भारत सीरम्स एंड वैक्सीन्स का अधिग्रहण करेगी मैनकाइंड फार्मा

नई दिल्ली, 26 जुलाई. मैनकाइंड फार्मा और भारत सीरम्स एंड वैक्सीन्स को लेकर चल रही बातचीत आखिरकार फाइनल हो गई है. मैनकाइंड फार्मा एडवेंट इंटरनेशनल से भारत सीरम्स एंड वैक्सीन्स का पूर्ण अधिग्रहण करेगी. इसके लिए 13, 630 करोड़ रुपये में डील फाइनल हुई है.कंपनी ने एक बयान जारी कर बताया कि मैनकाइंड फार्मा 13,630 करोड़ रुपये में भारत सीरम्स एंड वैक्सीन्स का अधिग्रहण करेगी. कंपनी ने लगभग 13,630 करोड़ रुपये में भारत सीरम्स एंड वैक्सीन्स (बीएसवी) में 100 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने के समझौते को अंतिम रूप दिया है. यह रणनीतिक कदम दवा निर्माता के लिए अहम माना जा रहा है.

इस्पात आयात ने घरेलू मुनाफे पर डाला असर

जेएसडब्ल्यू स्टील के चेयरमैन सज्जन जिंदल ने एजीएम में जताई चिंता

नयी दिल्ली, 26 जुलाई.जेएसडब्ल्यू स्टील के चेयरमैन सज्जन जिंदल ने शुक्रवार को कहा कि चीन से बढ़ते इस्पात आयात का घरेलू कंपनियों के मुनाफे पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है.कंपनी की वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में जिंदल ने कहा कि कई देशों ने इस्पात आयात के खिलाफ पहले ही कदम उठाए हैं.

भारतीय इस्पात उद्योग भी समान अवसर सुनिश्चित करने के लिए सरकार के साथ बातचीत कर रहा है.उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2023-24 में घरेलू इस्पात की मांग में 13.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो आर्थिक वृद्धि से अधिक है. यह बुनियादी ढांचे के विकास और सभी प्रमुख इस्पात-उपभोक्ता क्षेत्रों की मजबूत मांग के कारण संभव हो पाया.

जेएसडब्ल्यू स्टील के शेयरधारकों को संबोधित करते हुए जिंदल ने कहा, '' हालांकि, वैश्विक इस्पात मांग कमजोर बनी हुई है, जिससे भारत में आयात बढ़ रहा है और घरेलू इस्पात विनिर्माताओं के मुनाफे पर असर पड़ रहा है.

> जेएसडब्ल्यू स्टील के वित्त वर्ष 2023-24 के व्यावसायिक आंकड़े साझा करते हुए जिंदल ने कहा कि कंपनी ने इस अवधि में 92 प्रतिशत क्षमता उपयोग के साथ अपना अभी तक उच्चतम कच्चा इस्पात उत्पादन हासिल किया .जेएसडब्ल्यू स्टील ने वित्त वर्ष 2023-24 के लिए अपने उत्पादन और बिक्री के लक्ष्य को 100 प्रतिशत पूरा किया . परिचालन से इसका राजस्व 1,75,006 करोड़ रुपये तक पहुंच गया, जिसमें ब्याज, कर, मूल्यह्रास और कर पूर्व आय (ईबीआईटीडीए) की कमाई 28,236 करोड़ रुपये और कर के बाद का मुनाफा 8,973 करोड़ रुपये रहा .कंपनी के निदेशक मंडल ने वित्त वर्ष 2023-24 के लिए 7 .30 रुपये प्रति शेयर के लाभांश की सिफारिश की है .

ओला इलेक्ट्रिक ने कार लॉन्च योजना रोकी

ई-स्कूटर बिजनेस पर ध्यान केंद्रित करेगी कंपनी

नई दिल्ली,26 जुलाई.भारत की आईपीओ-बाउंड ओला इलेक्ट्रिक ने अपनी इलेक्ट्रिक कार लॉन्च की योजना को निलंबित कर दिया है. क्योंकि सॉफ्टबैंक समर्थित कंपनी अपने ई-स्कूटर बिजनेस पर ध्यान केंद्रित करना चाहती है.

ओला के संस्थापक भाविश अग्रवाल ने 2022 में दो साल में पूरी तरह से कांच की छत वाली एक इलेक्ट्रिक स्पोर्ट्स कार लॉन्च करने की योजना बनाई थी, जो चार सेकंड के भीतर 100 किमी प्रति घंटे की रफ्तार पकड़ सकेगी.

अग्रवाल ने सितंबर 2023 में मीडिया में इन योजनाओं को दोहराया, लेकिन दोनों स्त्रोतों ने कहा कि परियोजना अब अपने नियोजित अगस्त आईपीओ से पहले निलंबित कर दी गई है, जहां इसे लगभग 660 मिलियन डॉलर जुटाने की योजना है. ओला का अभी ध्यान पूरी तरह से दोपहिया बाजार पर है, जिसमें बाइक भी शामिल है.हाल के वर्षों में देश में ई-स्कूटर लोकप्रिय हो गए हैं और बुनियादी ढांचे का निर्माण तेजी से किया गया है.

इस साल जून तक करीब 483,000 ई-स्कूटर बेचे गए, लेकिन उस अवधि में दुनिया के तीसरे सबसे बड़े ऑटो बाजार में केवल 45,000 इलेक्ट्रिक कार की बिक्री हुई.

खाद्य तेल समेत जिंसों में टिकाव

नयी दिल्ली 26 जुलाई (वार्ता) विदेशी बाजारों के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर उठाव कमजोर रहने से आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेल समेत सभी जिंसों के भाव स्थिर रहे.

सरकारी वेबसाइट पर जारी खाद्यान्नों के थोक दाम इस प्रकार रहे- **दाल-दलहन**- चना 6600-6700, दाल चना 7600-7700, मूंग दाल 10300-10400, अरहर दाल 11400-11500 रुपये प्रति क्विंटल रहे.

अनाज-गेहूं दड़ा 2600-2700 रुपये और चावल = 2750-2850

रुपये प्रति क्विंटल रहा.

चीनी-गुड़ - चीनी एस 3740-3840, चीनी एम. 4100-4200, और गुड़ 4450-4550 रुपये प्रति क्विंटल बोले गये.

खाद्य तेल - सरसों तेल 13187 रुपये, मूंगफली तेल 19633 रुपये, सूरजमुखी तेल 12344 रुपये, सोया रिफाइंड 12160 रुपये प्रति क्विंटल रहा है.

सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट

नई दिल्ली, 26 जुलाई. घरेलू सर्राफा बाजार में गिरावट का दौर लगातार जारी है. सोना और चांदी दोनों धातुओं की कीमतों में कमी आ गई. इस गिरावट के बाद चेन्नई के अलावा देश के दूसरे सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 70 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम से नीचे पहुंच गया. चेन्नई के अलावा दूसरे सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 69,990 रुपये से लेकर 69,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है. 22 कैरेट सोना भी सर्राफा बाजारों में 64,290 रुपये से लेकर 63,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है.

महंगाई से किचन बजट बिगड़ा

सरकार आलू आयात की योजना पर कर रही विचार

नयी दिल्ली 26 जुलाई.दालें और हरी सब्जियों की महंगाई ने आम आदमी के किचन का बजट बिगाड़ दिया है. सबसे ज्यादा असर आलू, प्याज और टमाटर की कीमतों पर पड़ा है. सरकार ने इस स्थिति से निपटने के लिए एक योजना बनाई है.

इसके तहत, जल्द ही आपके किचन में भूटान का आलू देखने को मिल सकता है. आलू की बढ़ती कीमतों को काबू में लाने के लिए सरकार भूटान से आलू के आयात को बढ़ाने पर विचार कर रही है. इससे आलू की कीमतों में कमी आएगी और लोगों को सस्ता आलू मिलेगा.एक रिपोर्ट के अनुसार, सरकार को लगता है कि देश में आलू के कम उत्पादन के कारण कीमतें ऊंची बनी रह सकती हैं.

समाचार विशेष

केशव की घेराबंदी या प्रयागराज मंडल में मैनेजर की जरूरत

उदयभान करवरिया की रिहाई के मायने

लखनऊ. प्रयागराज की राजनीति में जिस करवरिया बंधुओं की सबसे ज्यादा चर्चा होती है, उसका सिपाहसलार उदयभान करवरिया जेल से बाहर आ गया है. एक दौर में मुरली मनोहर जोशी का दाहिना हाथ कहे जाने वाले उदयभान करवरिया की समय से पहले रिहाई ने प्रयागराज मंडल के राजनीतिक समीकरण को बदल दिया है. करवरिया के प्रभाव वाले इलाके में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) की हार और अचानक से उदयभान की रिहाई को लेकर कई तरह की चर्चाएं हैं.

1996 में हुई विधायक जवाहर पंडित की हत्या के मामले में पांच साल पहले ही उदयभान करवरिया को उम्रकैद की सजा मिली थी. उदयभान ने करीब 9 साल जेल में बिताया ही था कि जेल में आचरण ठीक होने का दावा करते हुए सरकार ने उदयभान को आजाद करने का फैसला किया, जिस पर राज्यपाल ने मुहर लगा दी. उदयभान जेल से रिहा हो गए. इस रिहाई से प्रयागराज मंडल में बीजेपी को संजीवनी सी मिल गई है. साथ ही वर्चस्व की लड़ाई की शुरुआत भी.

उदयभान करवरिया केशव प्रसाद मौर्य

मौजूदा समय में डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य के ईद-गिर्द ही प्रयागराज मंडल की सियासत घूमती है. केशव प्रसाद मौर्य और उदयभान करवरिया के बीच कोई अदावत नहीं है, लेकिन उदयभान करवरिया का जेल से बाहर आने का मतलब केशव प्रसाद मौर्य के सामने एक लकीर को खींच देने जैसा है.

राजनीतिक विश्लेषक मानते हैं कि उदयभान के जरिए सूबे के सबसे ताकतवर शख्स ने केशव प्रसाद मौर्य की घर में घेराबंदी कर दी है.

> **उदयभान की रिहाई से बीजेपी को मिलेगा फायदा**
>
> बीजेपी के टिकट पर बारा विधानसभा सीट से दो बार विधायक रहे उदयभान की गिनती प्रयागराज मंडल के सबसे बड़े ब्राह्मण चेहरे के रूप में होती है . उसके संगठन कौशल का लोहा बीजेपी के सीनियर नेता मुरली मनोहर जोशी भी मानते थे . यही वजह है कि मुरली मनोहर जोशी अपने लोकसभा चुनाव की कमान भी उदयभान को सौंप देते थे . जेल जाने से पहले तक उदयभान ही प्रयागराज मंडल में बीजेपी के संगठन को परोक्ष या अपरोक्ष रूप से संभालते थे . लोकसभा चुनाव में मिली हार, प्रयागराज मंडल में कमजोर होता संगठन और ब्राह्मण वोटरों के रूठने की वजह से बीजेपी चिंता में है और उसकी उम्मीद उदयभान करविरया से है .

बिहार भाजपा का मिशन दो सौ प्लस

पटना. लोकसभा चुनाव में भाजपा का मिशन चार सौ प्लस की खुमार अभी उतरा नहीं है कि बिहार में भारतीय जनता पार्टी ने दो सौ प्लस सीट का लक्ष्य तय कर दिया. लोकसभा चुनाव से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एनडीए के लिए अबकी बार चार सौ पार का नारा दिया तो भाजपा 240 और एनडीए 293 सीटों पर रूक गया.

पार्टी के नेताओं ने माना है कि चार सौ पार का नारा नुकसान कर गया. इसके दो नुकसान हुए. पहला तो यह कि विपक्ष को यह प्रचार का मौका मिला कि भाजपा चार सौ सीट इसलिए मांग रही है ताकि संविधान और आरक्षण खत्म कर सके. दूसरा नुकसान यह हुआ कि पार्टी के नेता और कार्यकर्ता लापरवाह हो गए. इतना ही नहीं कई जगह उन्होंने पार्टी लाइन से हट कर जाति या स्थानीय मुद्दों के हिसाब से पार्टी उम्मीदवारों के खिलाफ काम किया.

तभी बिहार में भाजपा के मिशन दो सौ प्लस को लेकर यह आशंका जताई जा रही है कि इससे कार्यकर्ता लापरवाह होगा. दूसरा सवाल यह भी है कि जब लोकसभा चुनाव में नरेंद्र मोदी और नीतीश कुमार दोनों के चेहरे पर एनडीए ने चुनाव लड़ा तो उसे बिहार की 243 में से 175 विधानसभा सीटों में बढ़त मिली. फिर वह कैसे विधानसभा में दो सौ से ज्यादा सीटों की उम्मीद कर रही है? एक बार 2010 में जनता दल यू और भाजपा गठबंधन को 207 सीटें मिली थीं. लेकिन वह पहले कार्यकाल में किए गए काम का इनाम था. उसके बाद से लगातार कमी होती गई है. ऊपर से इस बार राष्ट्रीय जनता दल पहले से ज्यादा मजबूत है.

बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी देंगे इस्तीफा?

जयपुर. राजस्थान बीजेपी में बड़े बदलाव की सुगबुगाहट तेज हो गई है. जल्द ही पार्टी को नया प्रदेश अध्यक्ष मिल सकता है. सूत्रों के मुताबिक सीपी जोशी ने एक बार फिर इस्तीफे की पेशकश की है.

चित्तौड़गढ़ से सांसद जोशी ने एक व्यक्ति एक पद के तहत इस्तीफे की पेशकश की है. बता दें कि पिछले साल मार्च महीने में सीपी जोशी को पार्टी की कमान सौंपी गई थी. इससे पहले सतीश पूनिया पार्टी के अध्यक्ष थे, लेकिन उनका कार्यकाल पूरा होने के बाद चुनावी साल में जोशी को यह जिम्मेदारी मिली थी. उनके इस्तीफे के बाद कयास लगाए जा रहे हैं कि पार्टी में मंथन शुरू हो चुका है. ऐसे में नेतृत्व परिवर्तन की चर्चाओं ने जोर पकड़ लिया है. हालांकि एक पद एक सिद्धांत के साथ-साथ एक वजह जातिगत समीकरण भी हो सकता है. दरअसल, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भी ब्राह्मण जाति से हैं. ऐसे में प्रदेश संगठन की कमान ओबीसी को सौंपने की चर्चा हो रही है.

विशेष | कुड़मी वोटो पर जोर

आजसू के लिए कितनी बड़ी चुनौती होगी महतो की पार्टी

धनबाद. झारखंड में चुनाव की रणभेरी बज गई है. भाजपा का कहना है कि प्रत्याशी चयन के पहले वह थर्ड पार्टी सर्वे कराएगी. इधर, कांग्रेस की भी गतिविधियां बढ़ी हुई है. बुधवार को कांग्रेस प्रभारी रांची में थे. झारखंड मुक्ति मोर्चा का तो ऐलान है कि वह हमेशा चुनावी मोड में रहता है. लेकिन इस बार झारखंड की राजनीति में कई नए समीकरण जुड़ेंगे.

सवाल उठ रहा है कि कुड़मी की राजनीति के दम पर खड़ी आजसू को 2024 में कितनी बड़ी चुनौती मिलेगी, यह सवाल इसलिए उठ रहा है कि खतियानी नेता जयराम महतो की पार्टी ने

लोकसभा चुनाव में अच्छा परफॉर्मेंस किया है. अब तो यह भी चर्चा तेज है कि जदयू भी इस बार विधानसभा चुनाव में झारखंड में अपनी ताकत दिखाने की तयारी में है. मतलब आजसू हो या जयराम महतो की पार्टी अथवा फिर नीतीश कुमार की पार्टी हो, सभी लोग कुड़मी वोटो पर जोर लगाएंगे.

कुड़मी वोटो का प्रतिशत कोई 25 कहता है तो कोई 16- झारखंड में कुड़मी वोटो का प्रतिशत कोई 25 प्रतिशत कहता है तो कोई 16 प्रतिशत, जो भी हो लेकिन अभी तक कुड़मी वोटों पर झारखंड में सुदेश महतो का अधिकार था. लेकिन अब वह स्थिति नहीं है. जयराम महतो ने तो उसमें सेंध लगा दी है. अगर कुड़मी वोट में नीतीश कुमार भी सेंध लगाते हैं, तो निश्चित रूप से आजसू का अधिकार टूट जाएगा और यह आजसू के लिए खतरे की घंटी हो सकती है. वैसे, लोकसभा चुनाव में गिरिडीह संसदीय क्षेत्र से जयराम महतो ने उम्मीदवारी की थी. लगभग 3. 50 लाख वोट लाकर सबको चौंका भी दिया था. इसके अलावे झारखंड के कई विधानसभा क्षेत्र में भी जयराम महतो की पार्टी ने बेहतर प्रदर्शन किया था. अब सवाल उठता है कि भाजपा या महागठबंधन के पास विकल्प क्या है. आजसू के पास भी विकल्प क्या है. इधर, अभी चर्चा यह भी है कि जयराम महतो पर पार्टियां डोरे डाल रही है. लेकिन फिर सवाल वही खड़ा होता है कि सुदेश महतो और जयराम महतो दोनों एक पार्टी के साथ गठबंधन कर चल नहीं सकते है. तो क्या झारखंड में गठबंधन की राजनीति किसी नए मोड़ की ओरे जाएगी, यह भी अपने आप में सवाल है.

> **किंग मेकर की भूमिका में आ सकते हैं महतो**
>
> 2024 के लोकसभा चुनाव के परिणाम को देखते हुए इस बात की पूरी संभावना है कि खतियानी नेता जयराम महतो किंग मेकर की भूमिका में आ सकते है . झारखंड के 12 सीट ऐसी हैं, जिन पर जयराम महतो की पार्टी असर डाल सकती है . उन सीटों में डुमरी, गोमिया, बेरमो, टुंडी, बाघमारा, चंदन कियारी, सिंदरी, इचागढ़, सिल्ली, बड़कागांव, रामगढ़ और मांडू शामिल है . यह अलग बात है कि जयराम महतो को पार्टियां गंभीरता से ले रही है और काट खोज रही है .